भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले जहरीले सांप कौन से हैं?

नाग / गेहुआँ / काला

- सिर या फन पर वी/यू आकार का निशान
- लकड़ी के ढेर, छोटी झाड़ियों और पशुशाला में छिपता है
- काटने के तुरंत बाद दर्द होता है और सूजन आती है तथा त्वचा का रंग काला पड़ जाता है
- दृष्टि में धुंधलापन, बोलने और सांस लेने में कठिनाई और पक्षाघात हो सकता है

- मानसून के मौसम में छोटे-छोटे गड्ढों, बिलों और गड्ढों में छिपा हुआ पाया जाता है
- छोटे दरवाजे के अंतराल, बाथरूम पाइप के माध्यम से प्रवेश करता है
- गंभीर पेट दर्द, उल्टी और कमजोरी का कारण बनता है
- दृष्टि का धुंधलापन, बोलने और सांस लेने में कठिनाई और पक्षाघात हो सकता है

करैत / कैली

दबोईयां / कोढीयां / अदसर

- दिखने में मोटा और प्रेशर कुकर की सीटी जैसी आवाज करता है
- गन्ने और कपास के खेतों में तथा लांबी घास मे छिप जाता है
- काटने की जगह पर बड़ा घाव हो जाता है और खून बहने लगता है
- मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से खून बह सकता है

- छोटा सांप जो घास में छिप रहता है और चलते हुए इंसान को काट लेता है
- इसके काटने पर आमतौर पर कांटे चुभने जैसा महसूस होता है
- काटने की जगह पर सूजन आ जाती है और खून बहने लगता है
- मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से खून बह सकता है

अपई / अफई

अगर आपको सांप काट ले तो धीरे-धीरे सांप से दूर हो जाएं और तुरंत मदद के लिए पुकारे।
न दौड़ें और न तेज चलें

भारत में आमतौर पर पाए जाने वाले गैर जहरिले सांप कौन से हैं?

मांजरा सांप

रूपसुंदरी / बनसुंदरी / तस्कर

बेल सांप

धामन / घोडापछाड / अषाढियां

साखड़ सांप

दोमुँहा / दोमुँही

सीतालट / पिरपिट्टी

पानीवाला सांप

अजगर

जब आप नहीं जानते कि किस सांप ने काटा है, तो हमेशा पीड़ित को जल्द से जल्द नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाएं

सांप आमतौर पर कहां छिपे रहते हैं?

कुछ सांप मच्छर की तरह काटते हैं और कोई निशान नहीं छोड़ते। इसलिए जहां सांप आमतौर पर छिपते हैं, वहां घूमते समय हमेशा सतर्क रहें

आप सर्पदंश को कैसे रोक सकते हैं?

घास काटने से पहले उसमे एक लकड़ी की छड़ी को हिलाएं

तैरते वक्त सावधान रहे

सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करे

रात मे टॉर्च का इस्तेमाल करे

घनी वनस्पतियों में जाने से बचें

घर और परिसर को साफ रखें

काम करते समय गम बूटस का इस्तेमाल करें

सर्पदंश से बचाव आसान और सस्ता है। ऊपर दिए गए चित्रों में दिए गए सभी उपायों को अपनाएं

सर्पदंश के लक्षण क्या हैं?

सांप के काटने के बाद लक्षण आमतौर पर 15 मिनट से 10 घंटे के भीतर दिखाई देते हैं। यदि किसी सर्पदंश के शिकार व्यक्ति में निम्न में से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो उसे तुरंत किसी ऐसे स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं जहां डॉक्टर उपलब्ध हो।

पेट दर्द

उल्टी

दस्त

पसीने छूटना

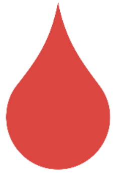

मुंह, मूत्र या मल के माध्यम से खून आना

काटने की जगह पर सूजन

सांस लेने मे तकलीफ

आंखों की पलकें नहीं खोल पाना

बेहोश हो जाना

सर्पदंश के बाद लक्षणों के प्रकट होने की प्रतीक्षा न करें। तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे

सर्पदंश के तुरंत बाद क्या करना चाहिए?

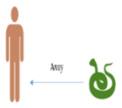

पीड़ित को धीरे-धीरे सांप से दूर ले जाएं

पीड़ित को आश्वस्त करें और दिलासा दें

पीड़ित को दौड़ने या तेज चलने न दें

पीने या खाने के लिए कुछ भी न दें

सर्पदंश स्थल पर सूजन आ सकती है। इसलिए जूता, अंगूठी, कलाई घड़ी, ब्रेसलेट या तंग कपड़ों को जल्द से जल्द उतार देना चाहिए

काटे हुए अंग को स्थिर करने के लिए अखबार के रोल या लकड़ी की छड़ी या स्टील के रूलर का उपयोग करें

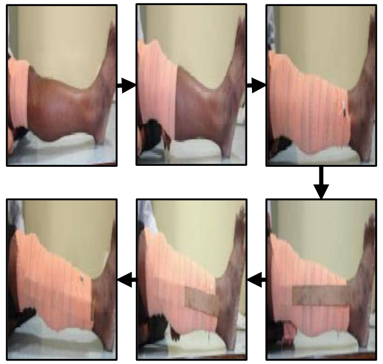

काटे हुए अंग पर पट्टी बांधने का सही तरीका

पीड़ित को मोटरसाइकिल पर ले जाने का सही तरीका

काटने वाला हर सांप जहरीला नहीं होता।
इसलिए पीड़ित को शांत करना और आश्वस्त करना बहुत जरूरी है

सर्पदंश के तुरंत बाद क्या करना चाहिए?

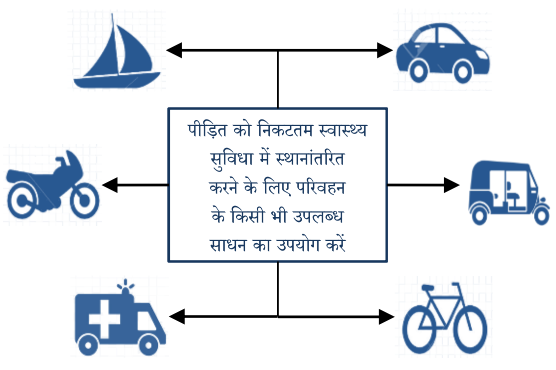

पट्टी बांधने के गलत तरीके से ज्यादा नुकसान हो सकता है

सांप को खोजने या मारने में समय बर्बाद न करें

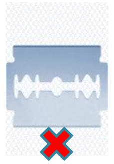

किसी नुकीली चीज से सर्पदंश हए हिस्से को न काटें

मुंह से जहर चूसने की कोशिश न करें

सर्पदंश के बाद मृत्यु के कुछ कारण –

- सांप की प्रजाति की गैर / गलत पहचान
- लक्षण दिखने का इंतजार करने मे समय बर्बाद करना
- अप्रमाणित उपचार और अंधविश्वासी गैर-वैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा पद्धतियों में समय बर्बाद करना
- काटे हुए स्थान के चारों ओर रस्सी या पट्टी इतनी कसकर बांधना कि वह रक्त के प्रवाह को बाधित कर दे
- एंबुलेंस सेवा समय पर न मिल पाना
- स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सा अधिकारी / विषरोधक की अनुपलब्धता

योगदान: डॉ. हृषिकेश मुनशी, प्रोजेक्ट वैज्ञानिक सी (मेडिकल), आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र; डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, महाड, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र

अभिस्वीकृति: डॉ. सदानंद राउत, नारायणगांव, जिला पुणे, महाराष्ट्र; डॉ. केदार भिडे, ठाणे, महाराष्ट्र; श्री मिलिंद गव्हांदे, शहापूर, जिला ठाणे, महाराष्ट्र; श्री गणेश भड, अहेरी, जिला गढ़चिरौली, महाराष्ट्र; कु. बिजयलक्ष्मी मोहंती, खोरधा, जिला खोरधा, ओडिशा; श्री जगदीश प्रसाद दास, काशीपूर, जिला रायगढ़ा, ओडिशा

ICMR NIRRCH · ICMR RMRCB · Department of Health & Family Welfare, Government of Odisha

INSP
ICMR National Snakebite Project

सर्पदंश से बचाव एवं प्राथमिक उपचार जानकारी पुस्तिका

सर्पदंश और उसकी जटिलताओं की रोकथाम और उनके प्रबंधन पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता निर्माण करनेवाली आईसीएमआर राष्ट्रीय सर्पदंश परियोजना
प्रधान अन्वेषक: डॉ. राहुल गजभिये, शास्त्रज्ञ ई (उपनिदेशक)
आईसीएमआर – राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ अनुसंधान संस्थान, मुंबई

© भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली